मुख्यमंत्री ने अंगारेश्वर महादेव का किया अभिषेक-पूजन

रक्षाबंधन पर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर शुक्रवार को उज्जैन स्थित श्री अंगारेश्वर महादेव मंदिर में अभिषेक-पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।

डॉ. यादव ने संध्या समय शिप्रा तट स्थित मंदिर में भगवान श्री अंगारेश्वर महादेव का पंचामृत एवं गुलाल पूजन किया। मंदिर में पूजन-अभिषेक की विधि पुजारी मनीष उपाध्याय और रोहित उपाध्याय ने संपन्न कराई। इस अवसर पर विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष रवि सोलंकी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सागोती माता मंदिर में किए दर्शन

डॉ. यादव ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर खाचरौद से उज्जैन आगमन के दौरान उन्हेल रोड स्थित ग्राम तुमड़ावदा के श्री सागोती माता मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने माता मंदिर में पूजन कर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों ने डॉ. यादव का पुष्पहारों से स्वागत किया। ग्रामीण क्षेत्र की बहनों ने तिलक लगाकर मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया और उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर मुंह मीठा कराया। मुख्यमंत्री ने सभी बहनों को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं।

सेंट्रल जेल में भाइयों की कलाई पर बंधी राखी, बहनों के छलके आंसू

रक्षाबंधन पर खुली मुलाकात, मिठाई खिलाकर दी हिम्मत

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः रक्षाबंधन के पर्व पर भोपाल सेंट्रल जेल में भाई-बहन के रिश्ते की भावुक तस्वीर देखने को मिली। जेल की ऊंची दीवारों और सलाखों के बीच बंद भाइयों से मिलने शुक्रवार सुबह से बड़ी संख्या में बहनें पहुंचीं। किसी के हाथ में राखी थी तो कोई भाई के लिए मिठाई लेकर आई थी। मुलाकात के दौरान बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाया, कलाई पर राखी बांधी और मिठाई खिलाकर उनकी लंबी उम्र और बेहतर भविष्य की कामना की।

रक्षाबंधन को देखते हुए जेल प्रशासन ने विशेष खुली मुलाकात की व्यवस्था की थी। इसके तहत बहनों को भाइयों से मिलने और उन्हें राखी बांधने का अवसर दिया गया। जेल परिसर के अंदर और बाहर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया था। प्रवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिजनों को जेल परिसर में दाखिल होने दिया गया।

सलाखों के पीछे भाई को देख भावुक हुईं बहनें

भाइयों को राखी बांधते समय कई बहनों के चेहरे पर मिलने की खुशी के साथ भावुकता भी दिखाई दी। कुछ बहनों की आंखों से आंसू छलक पड़े, जबकि कुछ ने खुद को संभालते हुए भाइयों को हिम्मत दी। उन्होंने भाइयों से परेशान नहीं होने और जेल से बाहर आने के बाद बेहतर जीवन जीने का संकल्प लेने को कहा। राखी बांधने पहुंचीं ममता और सलोनी ने कहा कि रक्षाबंधन पर भाई से मिलकर खुशी हुई। उन्होंने भगवान से भाइयों के जल्द जेल से बाहर आने और परिवार के साथ रहने की प्रार्थना की।

जेल में 3600 पुरुष और 180 महिला बंदी

जेल अधीक्षक मानवेन्द्र सिंह परिहार ने बताया कि रक्षाबंधन पर खुली मुलाकात कराई गई। भोपाल सेंट्रल जेल में करीब 3600 पुरुष और 180 महिला बंदी हैं। महिला बंदियों के लिए अलग समय पर मुलाकात की व्यवस्था की गई। प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े बंदियों को भी विशेष सुरक्षा के बीच परिजनों से मिलने की अनुमति दी गई।

ब्यावरा हादसे पर खण्डेलवाल ने जताया शोक

नप्र, भोपाल : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने राजगढ़ जिले के ब्यावरा में हुई भीषण सड़क दुर्घटना में कई लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। खण्डेलवाल ने हादसे में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

हमीदिया में डायलिसिस के बाद बुजुर्ग की तबीयत बिगड़ने का आरोप

- **परिजन ने पीठ के नीचे बोतल रखकर दबाव डालने और आयुष्मान के बावजूद खर्च कराने का लगाया आरोप**

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः शासकीय हमीदिया अस्पताल में डायलिसिस के दौरान 75 वर्ष से अधिक उम्र के मरीज के साथ कथित लापरवाही का मामला सामने आया है।

मरीज के परिजन ने डायलिसिस प्रक्रिया के दौरान शरीर पर असामान्य तरीके से दबाव डालने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि इसके बाद मरीज को सीने और गले में दर्द, सूजन तथा सांस लेने में परेशानी होने लगी। जांच के बाद फेफड़े में हवा भरने की बात सामने आने का भी परिजन ने दावा किया है।

परिजन के अनुसार कंछीदी लाल को 20 अगस्त को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल लाया गया था। जांच के बाद किडनी संबंधी समस्या के चलते उन्हें भर्ती किया गया। उपचार के दौरान डायलिसिस की गई। मरीज के बेटे राजेंद्र चंदेल का आरोप है कि डायलिसिस के दौरान उनके पिता की पीठ के नीचे प्लास्टिक की सख्त बोतल रखकर शरीर पर दबाव डाला गया। इसके बाद उनकी परेशानी बढ़ गई। मरीज ने बताया कि डायलिसिस के दौरान उन्हें असहज स्थिति में रखा गया था। इसके बाद सीने और गले में दर्द व सूजन के साथ सांस लेने में परेशानी शुरू हुई। परिजन के मुताबिक डॉक्टरों ने फेफड़े में पुरानी बीमारी के कारण गुब्बारा फटने और उसमें हवा भरने की बात कही। परिवार का कहना है कि डायलिसिस से पहले ऐसी परेशानी नहीं थी। राजेंद्र ने आरोप लगाया कि आयुष्मान योजना के तहत इलाज के बावजूद एवी लाइन की नली और कुछ दवाइयां बाहर से खरीदनी पड़ीं, जिन पर करीब 4 से 5 हजार रुपये खर्च हुए। उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 181 पर शिकायत भी की। परिजन ने डायलिसिस प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच की मांग की है। अस्पताल प्रबंधन की ओर से मामले पर कोई जवाब नहीं मिला।

करुणाधाम में गुरुदेव शांडिल्य महाराज ने बांधे रक्षा सूत्र

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः रक्षाबंधन के अवसर पर करुणाधाम आश्रम में पीठाधीश्वर गुरुदेव सुदेश शांडिल्य महाराज ने शिष्य सेवकों और भक्तजनों को सिद्ध रुद्राक्ष का रक्षासूत्र बांधा। इस अवसर पर गुरुदेव ने 11 पौधे भी लगाए और उन्हें रक्षासूत्र बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। गुरुदेव ने सभी शिष्य सेवकों को पौधों की रक्षा करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तजन और शिष्य सेवक मौजूद रहे। आयोजन का समापन भजन और भंडारे के साथ हुआ।

महापौर ने पुलिसकर्मियों को बांधे रक्षा सूत्र

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः रक्षाबंधन के पावन पर्व पर महापौर श्रीमती मालती राय ने शुक्रवार को पुराने पुलिस कंट्रोल रूम में राजधानी के पुलिसकर्मी भाइयों को रक्षा सूत्र बांधे और उनके यशस्वी जीवन की कामना की। इस अवसर पर पार्षद एवं समाजसेवी बहनों ने भी पुलिसकर्मियों को राखी बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। श्रीमती राय ने विपरीत परिस्थितियों में लगन और मेहनत के साथ आमजन की सुरक्षा के लिए तत्परता से कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों की सराहना की। उन्होंने पुलिसकर्मियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके साथ स्नेह का रिश्ता और सुरक्षा का विश्वास सदैव बना रहना चाहिए।कार्यक्रम में जोन अध्यक्ष श्रीमती बृजुला सचान सहित अन्य समाजसेवी बहनें उपस्थित रहीं। उन्होंने भी पुलिसकर्मियों को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं।

श्रावणी पर्व पर हुए जनेऊ परिवर्तन संस्कार

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः श्रावणी पर्व के अवसर पर राजधानी भोपाल में विभिन्न स्थानों पर जनेऊ परिवर्तन संस्कार के आयोजन किए गए। धार्मिक परंपरा के अनुसार ब्राह्मण समाजजनों ने विधि-विधान, मंत्रोच्चार और पूजन के साथ यज्ञोपवीत धारण किया। श्रावणी पर्व पर आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। आचार्यों और पंडितों के मार्गदर्शन में वैदिक रीति से संस्कार संपन्न कराए गए। इस अवसर पर पुराने यज्ञोपवीत का त्याग कर नवीन जनेऊ धारण किया गया और धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से आत्मशुद्धि एवं संस्कारों के पालन का संकल्प लिया गया।

भोपाल के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित इन कार्यक्रमों में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर सनातन परंपराओं का निर्वहन किया। श्रावणी उपाकर्म और जनेऊ परिवर्तन संस्कार को धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व दिया गया।

डॉ. यादव लांजी में जन विश्वास अभियान के तहत करेंगे संवाद

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 29 अगस्त को बालाघाट जिले के लांजी क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे। वे मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत कन्या छात्रावास और उत्कृष्ट विद्यालय का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद उत्कृष्ट विद्यालय में प्रबुद्धजनों एवं मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। डॉ. यादव लांजी के पास ग्राम कोरका और बोंदारी भी जाएंगे, जहां वे बीमारी से पीड़ित परिवारों से मुलाकात करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री सुबह 8:40 बजे इंदौर से वायुयान द्वारा रवाना होकर 9:50 बजे बिरसी-गोंदिया हवाई पट्टी पहुंचेंगे। इसके बाद सुबह 10 बजे लांजी के लिए प्रस्थान करेंगे। सुबह 10:30 बजे लांजी से कोरका जाएंगे और 11:20 बजे कोरका पहुंचकर स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोपहर 12:20 बजे कोरका से लांजी के लिए रवाना होकर स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इसके बाद दोपहर 2:25 बजे हेलीकॉप्टर से बिरसी-गोंदिया हवाई पट्टी पहुंचेंगे और दोपहर 2:45 बजे वायुयान से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

मानव संग्रहालय में 'मनसा घट' का लोकार्पण

पश्चिम बंगाल की लोकशिल्प परंपरा और धार्मिक आस्था की कलात्मक अभिव्यक्ति को दर्शाता है प्रादर्श

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में शुक्रवार को माह के विशेष प्रादर्श 'मनसा बाड़ी/मनसा घट-एक कलात्मक अभिव्यक्ति' का लोकार्पण किया गया। प्रादर्श का लोकार्पण तेलंगाना के भद्राचलम में आईटीडीए के प्रोजेक्ट ऑफिसर बी. राहुल ने किया। संग्रहालय के निदेशक प्रो. डॉ. अमिताभ पांडे ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

माह के प्रादर्श के संयोजक एवं संग्रहालय के सहायक कीपर राजेन्द्र झारिया ने 'मनसा घट' के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल के बाँकुड़ा जिले के कोडकुनी गांव से डॉ. सुदीपा रॉय द्वारा संकलित यह प्रादर्श नारियल के खोल से निर्मित विशिष्ट लोककलाकृति है। इसमें नारियल के खोल को आकार देकर नाग, सर्पफण तथा अन्य पारंपरिक एवं धार्मिक आकृतियों का सूक्ष्म अंकन किया जाता है।

उन्होंने बताया कि 'मनसा घट' स्थानीय लोकविश्वास, धार्मिक प्रतीकों और कलात्मक अभिव्यक्ति का सुंदर समन्वय प्रस्तुत करता है। बाँकुड़ा क्षेत्र टेराकोटा, डोकरा और मिट्टी की मूर्तिकला सहित समृद्ध लोक एवं हस्तशिल्प परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। यह प्रादर्श प्राकृतिक सामग्री के रचनात्मक उपयोग और धार्मिक आस्था की अभिव्यक्ति का उल्लेखनीय उदाहरण है।

संग्रहालय के जनसंपर्क अधिकारी हेमंत बहादुर सिंह परिहार ने बताया कि प्रादर्श के माध्यम से पश्चिम बंगाल की पारंपरिक शिल्प परंपरा, स्थानीय धार्मिक मान्यताओं और प्राकृतिक सामग्री के रचनात्मक उपयोग को दर्शाया गया है। 'मनसा घट' आगामी एक माह तक दर्शकों के अवलोकन के लिए उपलब्ध रहेगा।

महासंघ ने संविदा नीति में संशोधन कर वरिष्ठता के आधार पर संविलयन की मांग उठाई

संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की मांग, मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को ज्ञापन सौंपकर संविदा नीति में संशोधन कर संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की मांग की। महासंघ ने ज्ञापन में कहा कि प्रदेश के 54 विभागों में संविदा कर्मचारी पिछले 25 से 30 वर्षों से कार्य कर रहे हैं। इन कर्मचारियों की भर्ती निर्धारित शैक्षणिक योग्यता और चयन प्रक्रिया के माध्यम से की गई थी।

महासंघ ने कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा 22 जुलाई 2023 को जारी संविदा नीति में कई विसंगतियां हैं, जिनका संशोधन किया जाना जरूरी है। मांग की गई कि विभागों में उपलब्ध नियमित रिक्त पदों पर संविदा कर्मचारियों का वरिष्ठता के आधार पर संविलयन किया जाए। साथ ही वरिष्ठता के अनुसार वेतन निर्धारण, समयमान वेतनमान, पदोन्नति, क्रमोन्नति और उच्च प्रभार का लाभ दिया जाए।

महासंघ ने कहा कि लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों और नए नियुक्त कर्मचारियों का वेतन समान होना उचित नहीं है। पहले नियमित कर्मचारियों के समान महंगाई भत्ता मिलता था, जबकि अब उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर भुगतान होने से कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान हो रहा है। नियमित कर्मचारियों की तरह वर्ष में दो बार वेतन वृद्धि देने की मांग भी की गई।

चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती बंद होने के कारण संविदा पर कार्यरत वाहन चालक, भृत्य, चौकीदार और रसोइयों को सीधे नियमित करने की मांग रखी गई। संविदा कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों के समान अनुग्रह राशि, मकान किराया भत्ता और अन्य भत्ते देने तथा शासकीय आवास की पात्रता देने की मांग की गई।

महासंघ ने महिला संविदा कर्मचारियों को संतान पालन अवकाश और सात दिन का विशेष अवकाश देने, सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष करने तथा प्रतिवर्ष संविदा नवीनीकरण की व्यवस्था समाप्त करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने संविदा कर्मचारियों की समस्याओं का परीक्षण कर निराकरण किए जाने का आश्वासन दिया।